पर्यावरण: प्रदूषण, दुष्प्रभाव व सुरक्षा

-पर्यावरण को नष्ट करने में प्रदूषण के बिभिन्न आयाम

*उद्योगीकरण'
*तापीय विद्युतीय परियोजनाओ की बढोत्तरी व् उसके छमता में कमी
*आवासीय परियोजनाओ की बढोत्तरी व् कचरा प्रबंधन में कमी
*वाहनों की उपयोगिता में अत्यधिक बढोत्तरी
*आकाशीय कचरा में बढोत्तरी
*खेती के अवशेषों को जलना
*जंगलो की कटाई व् जलाना
*नदियो में प्रदूषण व् कचरा की बढोत्तरी
*ध्वनि प्रदूषण
*धुल प्रदूषण
*आदि आदि .....

-पर्यावरण में प्रदूषण से नुक्सान व् दुष्प्रभाव

* भूगर्भीय उष्मीकरण
* जलवायु परिवर्तन
  -उत्तरी व् दक्षिणी ध्रुव का पिघलना'
  -समुद्रीय सतह में बढोत्तरी
  -समुद्रीय तुफानो की बढोत्तरी
  -जीवों का विनष्टीकरण
  -धरती में असामान्य परिवर्तन
  -अकाल, भुखमरी व् वीमारियो का प्रकोप
  -आपदा प्रबंधन का कोई कारगर उपाय न होना
  -श्रृष्टि का विनाश

-पर्यावरण सुरक्षा के उपाय

* अधिक से अधिक पेड़ो का लगाया जाना'
* जल संरक्षण के सार्थक उपाय
* वैकल्पिक ऊर्जा का अधिक से अधिक-जैसे सोलर, बायोमास, मिनी हाइड्रो
* ग्रामीण रोजगार की बढोतरी
* तापीय विजली घरो का नवीनीकरण
* वाहनों में विना ज्वलनशील ईधन का उपयोग
* ग्रीन हाउस गैस को कम करना

|| कर्म प्रभाव विश्व कर राखा | जो जस करहि सो तस फल चाखा ||

.....डा० भरत राज सिंह, निदेशक , स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज , लखनऊ